सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 165 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 22 जुलाई, 2026
मूल्य ₹ 3/-

शिखर तक पहुंचने के लिए ताकत चाहिए होती है, चाहे वो माउन्ट एवरेस्ट का शिखर हो या आपके पेशे का।
-डॉ. अब्दुल कलाम

भारत का जिम्बाब्वे से पहला टी20 मैच... 7 | बांकीपुर के उपचुनाव में लगा प्रतिष्ठा... 3 | भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार... 2

राहुल-अलिखेश ने दाग दिया राजनीतिक गोल

» डैमेज कंट्रोल के लिए आज बीजेपी का आंदोलन का एलान
» धक्के खाये, गिरफ्तारी झेली छात्रों के मुद्दों पर डटे रहे राहुल-अलिखेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने खरगे को बधाई देने के बहाने पहले सांसदों को बुलाया, फिर जिप टाई बांटी और उसके बाद घेर लिया पीएम आवास। राहुल गांधी का पूरा साथ दिया यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने। अखिलेश को पहले ही पता था कि राहुल गांधी क्या करने वाले हैं। लिहाजा वह तैयार थे और पूरी टीम के साथ पीएम आवास पहुंच गये।

राहुल-अखिलेश के इस कदम से बीजेपी भौचक्की रह गयी और उसकी कुछ समझ में नहीं आया कि क्या किया जाए। राहुल-अखिलेश की कूटनीति और आक्रमकता के जाल में बीजेपी ऐसी फंसी की राजनीतिक गोल खा गयी। छात्रों की जंग की कमान राहुल-अखिलेश ने अपने हाथों में लेकर पीएम मोदी और उनकी टीम की रणनीति की ऐसी हवा निकाल दी जिसकी भरपाई के लिए लिए आज भाजपा, कांग्रेस/सपा के खिलाफ सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर हो गयी। नीट पेपर लीक का पूरा नैरेटिव राहुल-अखिलेश ने ऐसा गढ़ा कि पीएम मोदी और सरकार को नहीं सूझ रहा कि क्या जवाब दिया जाए।

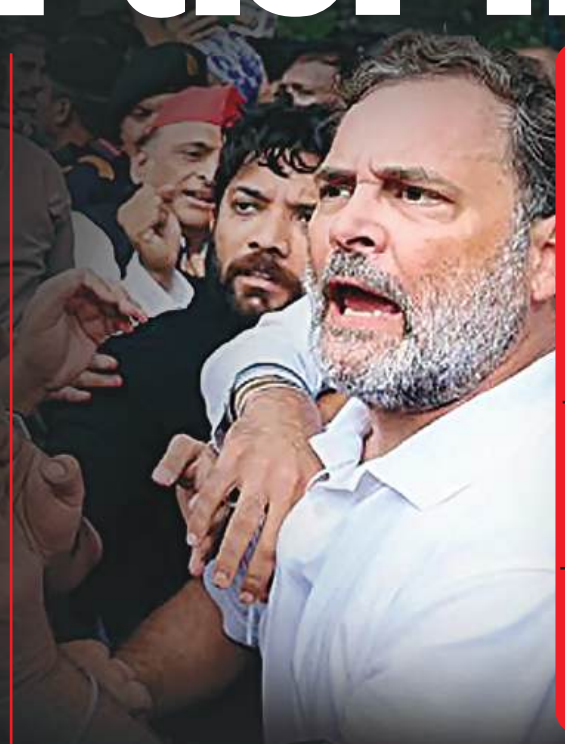

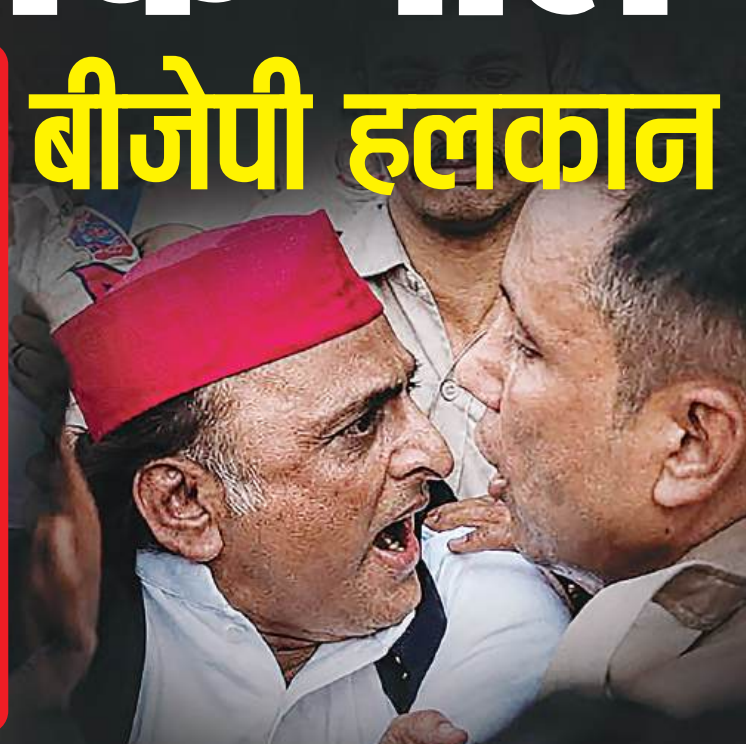

- अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधते हुए शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की
- छात्र मुद्दे पर विपक्ष साझा मंच पर खड़ा
- सरकार जवाब देने से पीछे हट रही

सपा प्रमुख ने शिक्षा मंत्री पर किया करारा प्रहार

प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन के दौरान पुलिस समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और राहुल गांधी को घसीटते हुए अपने साथ लेकर गई थी। देर रात पुलिस ने दोनों नेताओं को छोड़ दिया। अखिलेश यादव के आजाद होने के बाद समाजवादी पार्टी की ओर से कार्यकर्ताओं से प्रदर्शन खत्म करने की अपील की गई है। वहीं अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधते हुए शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की है। सपा की ओर से बताया गया है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ सभी सांसदों और नेताओं को छोड़ दिया गया है। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं से धरना खत्म करने की अपील की गई है जो पुलिस की कार्रवाई के बाद धरना प्रदर्शन कर रहे थे। रिहा होने के बाद अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधते हुए शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के दौरान कई छात्रों के साथ मारपीट हुई और उनके साथ पुलिस ने अन्याय किया है। नीट में ये लोग फेल हुए इसलिए अपना गुस्सा छात्रों पर निकाल रहे हैं। हमारी सरकार से मांग है कि छात्रों की मांगों को स्वीकार किया जाए और शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें। अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षा मंत्री को न हटाए जाने के पीछे का दबाव समझ नहीं आ रहा है। ऐसा लग रहा है कि घोटाले और भ्रष्टाचार का खुलासा न हो जाए इसलिए सरकार मंत्रियों पर दबाव नहीं बना पा रही है। विपक्ष लगातार इसी तरह संघर्ष करता रहेगा और युवा नौजवानों व छात्रों की बात करेगा। छात्रों के हक के लिए संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि जिन बच्चों की जान गई संसद में उनके लिए श्रद्धांजलि भी नहीं दी जा सकी। सरकार जवाब देने से पीछे हट रही है। सरकार को इस मामले पर बयान देना चाहिए।

पलटवार की तैयारी में बीजेपी

राहुल-अखिलेश की रणनीति का एक अहम पहलू यह भी रहा कि विरोध केवल बयान तक सीमित न रहे। दोनों नेताओं की सड़क पर मौजूदगी और गिरफ्तारी की तस्वीरें की साझा भागीदारी ने विजुअल राजनीति को अंबुजा सीमेंट जैसा मजबूत कर दिया। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित अन्य विपक्षी नेताओं की मौजूदगी ने यह संदेश देने की कोशिश की कि छात्र मुद्दे पर विपक्ष साझा मंच पर खड़ा है। उधर भाजपा ने भी पलटवार की तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी ने कांग्रेस के खिलाफ विरोध कार्यक्रमों का ऐलान किया है और आरोप लगाया है कि विपक्ष छात्रों के मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहा है। इससे साफ है कि अब लड़ाई केवल आरोप प्रत्यारोप की नहीं बल्कि जनता के सामने अपनी-अपनी राजनीतिक कहानी स्थापित करने की भी है। यही वजह है कि यह टकराव केवल एक दिन का विरोध प्रदर्शन नहीं माना जा रहा। यह उस बड़ी राजनीतिक जंग का हिस्सा है जिसमें दोनों पक्ष यह तय करना चाहते हैं कि छात्रों के मुद्दे पर जनता किसकी बात को अधिक विश्वसनीय मानती है। आने वाले दिनों में संसद सड़क और सोशल मीडिया-तीनों इस नैरेटिव की अगली लड़ाई के मैदान बनने वाले हैं।

अस्पताल में सोनम वांगचुक से की जेपी नड्डा ने मुलाकात

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह ने देर रात गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में सोनम वांगचुक से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। वांगचुक को आगे के उपचार के लिए मंगलवार को सफदरजंग अस्पताल से मेदांता अस्पताल स्थानांतरित किया गया था। केंद्रीय मंत्रियों की यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब छात्र अपना अनिश्चितकालीन अनशन जारी रखे हुए हैं। उनके आंदोलन के बुधवार को 25 दिन पूरे हो रहे हैं। इससे पहले सोमवार को वांगचुक ने सफदरजंग अस्पताल से जारी एक हस्तलिखित नोट में कहा था कि वह तब तक अपना अनशन जारी रखेंगे, जब तक प्रदर्शनकारी छात्र नेताओं को संसद भवन में सांसदों से मिलने की अनुमति नहीं दी जाती या उन्हें स्वयं अस्पताल में सांसदों से मिलने की अनुमति नहीं मिलती।

दिल्ली पुलिस की कार्रवाई 10 एफआईआर दर्ज

दिल्ली पुलिस ने संसद तक के मार्च के दौरान हुई हिंसक झड़प के सिलसिले में अब तक 10 एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस की ओर से जानकारी दी गई कि प्रदर्शन के दौरान हुई अलग-अलग घटनाओं और कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में ये एफआईआर दर्ज की गई हैं। फिलहाल मामलों की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार सीजेपी प्रदर्शन से जुड़े मामलों में संसद मार्ग थाने में 4 एफआईआर और सीपी थाने में तीन एफआईआर दर्ज की गई हैं। इसके अलावा, मंदिर मार्ग, बाराखंभा रोड और कर्तव्य पथ थानों में एक-एक एफआईआर दर्ज हुई है। इनमें से एक एफआईआर नई दिल्ली क्षेत्र में जो एक हाई-सिक्योरिटी जोन है संसद सत्र के दौरान बिना मंजूरी के ड्रोन उड़ाने से जुड़ी है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि आरएएफ जवान पर हुए हमले के मामले में भी एफआईआर दर्ज की गई है। वायरल वीडियो में कुछ लोग आरएएफ जवान को पीटते नजर आए। वे आरएएफ की गाड़ी पर पथराव और तोड़फोड़ भी करते दिखे। यह एफआईआर अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज की गई हैं। साथ ही जांच टीमें उपद्रव के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। बताया गया कि कथित तौर पर जिम्मेदार लोगों का पता लगाने के लिए 250 से अधिक वीडियो की जांच की जा रही है। इनमें मोबाइल फोन रिकॉर्डिंग, सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन कैमरे के विजुअल और पुलिस के बॉडी-वर्न कैमरों से ली गई फुटेज शामिल हैं।

भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार चरम पर

» अखिलेश यादव बोले- क्या नौजवानों पर लाठियां चलाने के लिए ही बनी थी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली के जंतर-मंतर चल रहे छात्रों के आंदोलन को लेकर भाजपा सरकार की बेरूखी पर सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने करारा वार किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार चरम पर है। सरकार छात्रों-नौजवानों पर लाठियां चला रही है। उन पर आंसू गैस के गोले छोड़ रही है। करंट लगा रही है। क्या इसलिए सरकार बनी थी। क्या यही सबका साथ-सबका विकास है। क्या यही विकसित भारत का लक्ष्य है।

अखिलेश यादव ने संसद परिसर में मीडिया से बात करते कहा कि भाजपा सरकार ने छात्रों के साथ बर्बरतापूर्ण व्यवहार किया है। आजाद भारत में छात्रों के साथ कोई सरकार इस तरह का व्यवहार करेगी, इसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। छात्रों के सिर पर चोटे हैं। टांके लगे हैं। हाथ-पैर की हड्डियां टूट गईं। सरकार ने हिटलर की तरह अपने निजी लोगों के गैंग से छात्रों पर लाठी चलवाई।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में इसे कभी नहीं स्वीकार किया जा सकता है। ऐसी तानाशाह सरकार को हटाने के लिए हम लोग लगातार लड़ते रहेंगे। भाजपा सरकार छात्रों, नौजवानों को नौकरी नहीं दे पा रही है। पेपर लगातार लीक हो रहे हैं। सरकार ने स्वीकार किया कि पेपर लीक हुए, इसलिए दोबारा नीट का पेपर हुआ। देश में जहां-जहां भाजपा की सरकारें है वहां पेपर लीक हो रहे हैं।

संकट तभी खत्म होगा, जब भाजपा सरकार सत्ता से हटेगी

उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक और हेराफेरी की जिम्मेदारी सरकार की है, लेकिन दोषियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। परीक्षाओं और भर्तियों की तैयारी करने वाले नौजवान निराश है। भाजपा सरकार ने युवाओं के सामने संकट पैदा किया है। यह संकट तभी खत्म होगा जब भाजपा सरकार सत्ता से हटेगी।

राज खुलने के डर से नहीं हो रहा शिक्षामंत्री का इस्तीफा

जवाबदेही की मांग को लेकर केंद्र पर निशाना साधते हुए यादव ने आरोप लगाया कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने राजनीतिक कारणों से इस्तीफा नहीं दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस्तीफे के लिए दबाव इसलिए नहीं बनाया जा रहा है क्योंकि उन्हें पता है कि अगर वह इस्तीफा देते हैं, तो वह दबे हुए राज खोल सकते हैं। यादव ने आगे कहा, किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि आजादी के बाद कोई सरकार ऐसा व्यवहार करेगी।

सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश को ज्ञापन सौंपा

समाजवादी पार्टी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश को ज्ञापन सौंपा है। इसमें मतदाता सूची में त्रुटियों और मतदान केंद्रों के पुनर्गठन पर आपत्ति जताई गई है। पार्टी ने 2027 के विधानसभा चुनाव निष्पक्ष कराने के लिए जरूर कदम उठाए जाने की मांग की है। ज्ञापन में रायबरेली के ऊंचाहार विधानसभा क्षेत्र का मुद्दा उठाया। आरोप है कि कैबिनेट मंत्री मनोज पांडेय के दबाव में 17 मतदेय स्थलों का पुनर्गठन हुआ है। इससे सपा समर्थक मतदाताओं को मतदान केंद्र से बहुत दूर कर दिया गया। पार्टी ने इस प्रस्ताव को तत्काल निरस्त करने की मांग की है। सपा ने 7 अप्रैल 2026 को भी यह मांग मुख्य चुनाव आयुक्त से की थी। साथ ही स्थानीय चुनावी मशीनरी पर चुनाव आयोग के नियमों के विपरीत काम करने का आरोप भी लगाया था। इसी तरह से प्रयागराज के दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र को लेकर भी शिकायत दर्ज कराई गई है। कहा गया है कि कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के घर के सामने के मतदेय स्थलों पर मुस्लिम मतदाताओं का भी नाम है। मतदान के दिन इन मुस्लिम मतदाताओं को मंत्री समर्थक रोक सकते हं। सपा ने इन केंद्रों को अन्य महाविद्यालयों में स्थानांतरित करने का सुझाव दिया था। आरोप है कि अधिकारियों ने कैबिनेट मंत्री के दबाव में सपा के प्रस्ताव को निरस्त कर दिया। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि कासगंज विधानसभा क्षेत्र में लगभग 1000 डुप्लीकेट मतदाता और अन्य त्रुटियां मतदाता सूची में मिली हैं। ज्ञापन सौंपने वालों में सपा के प्रदेश सचिव केके श्रीवास्तव, डॉ. हरिश्चंद्र सिंह यादव और राधेश्याम सिंह शामिल थे।

सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल पूर्व एमएलसी राजपाल कश्यप हिरासत में

समाजवादी पार्टी ने दिल्ली में छात्रों का समर्थन कर रहे अखिलेश यादव को हिरासत में लिए जाने की कड़ी निंदा की। एक्स के माध्यम से भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा-लोकतंत्र की है हत्यारी, भाजपा सरकार अत्याचारी। राजधानी लखनऊ में सपा कार्यकर्ता विधानसभा का घेराव करने पहुंचे। वे अखिलेश यादव को हिरासत में लिए जाने का विरोध कर रहे थे। प्रदेश में सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल और पूर्व एमएलसी राजपाल कश्यप भी शामिल हुए। पुलिस ने इन नेताओं को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेजा। इस तरह के प्रदर्शन सपा की लगभग सभी जिला इकाइयों ने किया। सपा के नेताओं ने कहा कि छात्रों को न्याय मिलने तक यह आंदोलन जारी रहेगा।

कांग्रेस नेता लाठीचार्ज से डरने वाले नहीं: अजय राय

कांग्रेस अध्यक्ष बोले- पेपर लीक की जांच कराने की मांग को लेकर निरंतर आंदोलन चलाया जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली में कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित अन्य नेताओं के हिरासत में लेने की जानकारी मिलते ही कांग्रेस नेताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। जनभवन का घेराव करने जा रहे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व अन्य नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। सभी को ईको गार्डन ले जाया गया, जहां से देर रात उन्हें छोड़ा गया।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को मंत्री पद से हटाने, नीट पेपर लीक सहित देश की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक की जांच कराने की मांग को लेकर निरंतर आंदोलन चलाया जाएगा। कांग्रेस नेता लाठीचार्ज से डरने वाले नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि वह शांतिपूर्ण तरीके से जनभवन जाकर राज्यपाल को देश व प्रदेश की जनता की पीड़ा बताना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। उधर, युवा कांग्रेस के अध्यक्ष दीपक शिवहरे और एनएसयूआई के अध्यक्ष अनस रहमान के नेतृत्व में भी युवाओं ने मंगलवार शाम परिवर्तन चौक से शहीद स्मारक तक मशाल जुलूस निकाला।

21 युवाओं ने निराश होकर आत्महत्या जैसे कदम उठाए उसका जिम्मेदार कौन

कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय नेकहा कि इस आंदोलन की पृष्ठभूमि में नीट पेपर लीक, परीक्षा प्रणाली पर लगातार उठते प्रश्न तथा रि-नीट से जुड़ी शिकायतों ने उत्तर प्रदेश सहित देश के लाखों युवाओं में गहरा अविश्वास पैदा किया है। देश के 21 युवाओं ने निराश होकर आत्महत्या जैसे कदम उठा लिए।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को पत्र लिखकर दिल्ली में हुई दमननात्मक कार्रवाई पर हस्तक्षेप की मांग की है। ऐसे में युवाओं की आवाज सुनने के बजाय यदि आंसू गैस, लाठीचार्ज और बल प्रयोग का सहारा लिया जाता है तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रतिकूल और अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

कांग्रेस ने किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदेश भर में सौंपे ज्ञापन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेश के अन्नदाता किसानों की गंभीर समस्याओं को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। कांग्रेस कमेटी द्वारा किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदेश भर के जिला एवं शहर अध्यक्षों को बकायदा परिपत्र भेजकर आज 22 जुलाई को किसानों की खाद की समस्या के त्वरित समाधान एवं आम विद्युत उपभोक्ताओं के साथ स्मार्ट मीटर के नाम पर की जा रही लूट के विरोध में अपने अपने जनपदों के कांग्रेसजनों के साथ जिलाधिकारी के माध्यम से प्रदेश के राज्यपाल को ज्ञापन सौंपे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की ओर से जिला एवं शहर अध्यक्षों को भेजे गये परिपत्र में कहा गया है कि खरीफ की फसल की बोआई एवं रोपाई का कार्य चल रहा है। इस समय हमारे अन्नदाता किसानों को यूरिया एवं डीएपी खाद की अत्यधिक आवश्यकता होती है। जिसके लिए उन्हें लम्बी लाइने लगानी पड़ रही हैं, परन्तु इसके बावजूद उन्हें खाद नहीं मिल पा रही है, जिससे वे काफी परेशान एवं हताश हैं। इसके अलावा सरकार द्वारा प्रदेशभर में जो स्मार्ट मीटर लगाये गये हैं उनके तेज चलने की शिकायते कई जगहों से प्राप्त हो रही हैं, जिसके चलते उपभोगताओं को काफी अधिक विद्युत बिल का भुगतान करने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

पहले से ही महंगाई की मार जूझे रहे आम उपभोगता इससे काफी निराश पर परेशान है। परिपत्र में अंत में कहा गया है कि कांग्रेस पार्टी हमेशा किसानों एवं आम जनमानस के हितों की रक्षा के लिए तत्पर रही है। ऐसे में हमारा कर्तव्य बनता है कि हम किसानों की यूरिया एवं डीएपी की कमी दूर करने एवं स्मार्ट भीटर के नाम पर विद्युत उपभोक्ताओं के बिल में अत्यधिक वृद्धि करने पर अपना विरोध दर्ज करें, जिससे इन ज्वलन्त समस्याओं का समाधान सम्भव हो सके।

विपक्ष छात्रों के मुद्दे पर राजनीति कर रहा है: राजभर

» मंत्री बोले- छात्रों की मांग जायज,पेपर लीक नहीं होना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी सरकार के पंचायतीराज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने दिल्ली में नीट अभ्यर्थियों की व्यवस्थाओं में सुधार की मांग को जायज बताया लेकिन राहुल गांधी और अखिलेश यादव के आंदोलन को राजनीतिक करार देते हुए उन पर तीखा हमला बोला। ने कहा कि छात्रों की मांग उचित है और पेपर लीक नहीं होना चाहिए, लेकिन विपक्ष छात्रों के मुद्दे पर राजनीति कर रहा है।

उन्होंने कहा कि छात्र शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगने गए थे लेकिन प्रदर्शन के दौरान देशविरोधी नारे लगाए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी, आजाद समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी के नेता छात्रों को उकसाने पहुंचे जबकि लाठीचार्ज के समय उन्हें छोड़कर चले गए।

ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के शासनकाल में खुलेआम नकल और पेपर लीक होते थे, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी बनाया गया है। उन्होंने दावा किया कि अब नकलविहीन परीक्षाएं हो रही हैं और पेपर लीक के मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर से खुरपका-मुंहपका (एफएमडी) टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने टीकाकरण टीमों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा पौधरोपण और जल संरक्षण का संदेश भी उन्होंने कहा कि छात्रों पर लाठीचार्ज का वह समर्थन नहीं करते लेकिन जो लोग छात्रों को भड़काते हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सपा सरकार में नौकरियों के लिए बोली लगती थी, जबकि वर्तमान सरकार ने बिना भ्रष्टाचार के प्रदेश में नौ लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी हैं।

बांकीपुर के उपचुनाव में लगा प्रतिष्ठा पर दांव

भाजपा को जनसुराज से मिली चुनौती

» राजद ने भी दिखाया दम
» भाजपा प्रत्याशी ने तेज किया प्रचार
» एनडीए के दिग्गजों ने संभाला मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में सबसे हाटसीट बांकीपुर के उपचुनाव पर सता पक्ष व विपक्ष के बयानों की तेजी से सियासी माहौल गरम हो गया। प्रचार को लेकर एनडीए और विपक्ष के बीच राजनीतिक बयानबाजी लगातार तेज हो गई है। चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में सभी दल मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए पूरी ताकत झोंक रहे हैं। भाजपा समेत सभी दलों के प्रत्याशी कई वरिष्ठ नेताओं के साथ जनसंपर्क कर रहे हैं।

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपना चुनाव प्रचार तेज कर दिया है। महाजन संपर्क अभियान के तहत भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा ने हरिश्चंद्र नगर समेत विभिन्न इलाकों में जनसंपर्क किया। इस दौरान जदयू और भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने दावा किया कि बांकीपुर में एनडीए के पक्ष में मजबूत माहौल है और भाजपा उम्मीदवार बड़ी जीत दर्ज करेंगे। भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा ने जनसंपर्क अभियान के दौरान कहा कि उन्हें क्षेत्र की जनता का भरपूर स्नेह और सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि मतदाता विकास और संगठन की कार्यशैली पर भरोसा जताते हुए उन्हें समर्थन देंगे। वहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के विदेश भ्रमण को लेकर सत्ता पक्ष लगातार हमलावर है। भाजपा और जदयू का कहना है कि चुनावी माहौल और विधानसभा सत्र जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर जनता अपने नेता की सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा करती है।

भारतीय जनता पार्टी हर चुनाव को पूरी गंभीरता और चुनौती के रूप में लड़ती है : शैलेंद्र

राज्य के मंत्री इंजीनियर कुमार शैलेंद्र ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हर चुनाव को पूरी गंभीरता और चुनौती के रूप में लड़ती है। उन्होंने कहा कि पार्टी का बूथ स्तर तक मजबूत संगठन ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। मंडल, जिला और शक्ति केंद्र स्तर तक कार्यकर्ता लगातार चुनाव अभियान में जुटे हुए हैं।

प्रशांत किशोर को अब ताकत दिखाने का मिला अवसर

प्रशांत किशोर पर निशाना साधते हुए मंत्री शैलेंद्र ने कहा कि जो लोग वर्षों तक खुद को चुनावी रणनीतिकार बताते रहे, उन्हें अब अपनी राजनीतिक ताकत साबित करने का अवसर मिला है। उन्होंने दावा किया कि पिछली विधानसभा चुनाव में जन सुराज को अपेक्षित सफलता नहीं मिली थी। मंत्री ने कहा कि भाजपा अपने कार्यकर्ताओं पर भरोसा करती है, जबकि विपक्षी दलों की रणनीति अलग दिखाई देती है।

एक व्यक्ति के चुनाव मैदान में उतरने से पूरी भाजपा ऊपर से नीचे तक घबराई हुई है : प्रशांत किशोर

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के प्रचार के दौरान जन सुराज के संस्थापक और प्रत्याशी प्रशांत किशोर ने भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बांकीपुर में एक व्यक्ति के चुनाव मैदान में उतरने से पूरी भाजपा ऊपर से नीचे तक घबराई हुई है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने अपना गढ़ बचाने के लिए हजारों कार्यकर्ताओं और नेताओं को चुनाव प्रचार में उतार दिया है। प्रशांत किशोर ने कहा कि जिन इलाकों में पहले मंत्री और नेता वोट मांगने तक नहीं जाते थे, वहां अब सुबह-शाम प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने इसे लोकतंत्र की ताकत बताते हुए कहा कि जनता सब देख रही है और जिस तरह भाजपा ने अब तक लोगों को ठगा है, उसी तरह इस बार जनता भी उन्हें चुनाव में जवाब देगी।

शाहनवाज ने राहुल से की तुलना

चिराग पासवान के बयान के बाद भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने भी तेजस्वी यादव पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव कांग्रेस नेता राहुल गांधी की राजनीतिक शैली अपनाते नजर आ रहे हैं। शाहनवाज ने कहा कि राहुल गांधी विदेश से लौट चुके हैं, जबकि तेजस्वी यादव अभी भी यूरोप में हैं। उन्होंने कहा कि बांकीपुर उपचुनाव में राजद की उम्मीदवार चुनाव लड़ रही हैं, लेकिन पार्टी के सबसे बड़े नेता प्रचार अभियान से दूर हैं। शाहनवाज के अनुसार यदि तेजस्वी यादव विदेश में बिताए समय का कुछ हिस्सा भी बिहार की राजनीति और संगठन को देते, तो पार्टी की स्थिति अधिक मजबूत होती।

जीवेश मिश्रा और संजय सिंह ने भी ताल ठोंकी

वहीं, भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री जीवेश मिश्रा ने बताया कि महाजन संपर्क अभियान के तहत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता स्वेच्छा से घर-घर पहुंचकर लोगों से संपर्क कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य प्रत्येक परिवार तक पहुंचकर सरकार की उपलब्धियों और पार्टी की नीतियों को जनता के बीच रखना है। जदयू विधान परिषद सदस्य संजय सिंह ने कहा कि बांकीपुर में भाजपा के पक्ष में सकारात्मक माहौल है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा पूर्व विधायक और वर्तमान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से भी अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है और संगठन की ताकत के दम पर चुनाव मैदान में उतरी है। उनके अनुसार इस चुनाव में विपक्ष के लिए स्थिति चुनौतीपूर्ण रहेगी।

चुनाव के समय विदेश में हैं तेजस्वी: चिराग

सबसे पहले केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने तेजस्वी यादव की विदेश यात्रा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उन्हें आश्चर्य है कि राजद के नेता इस समय कहां हैं। चिराग ने कहा कि विधानसभा चुनाव में हार के बाद बांकीपुर उपचुनाव पार्टी के लिए अपनी ताकत दिखाने का अच्छा अवसर था, लेकिन नेता प्रतिपक्ष विदेश यात्रा में व्यस्त हैं। चिराग पासवान ने कहा कि तेजस्वी यादव को बिहार की जनता और अपनी पार्टी की चिंता करनी चाहिए। उनके अनुसार, नेता प्रतिपक्ष का पद बेहद महत्वपूर्ण होता है और ऐसे समय में जब उनकी पार्टी की उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं, उन्हें प्रचार अभियान का नेतृत्व करना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाया कि तेजस्वी अपनी राजनीतिक जिम्मेदारियों से दूर हैं, जिससे राजद की स्थिति कमजोर होती दिख रही है।

तेजस्वी यादव को लेकर सवाल

बिहार विधानसभा के पांच दिवसीय मानसून सत्र की शुरुआत से पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की विदेश यात्रा को लेकर सियासी घमासान जारी है।। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के बीच अब तक उनके चुनाव प्रचार से दूर रहने और विधानसभा सत्र में संभावित अनुपस्थिति को लेकर सत्ता पक्ष लगातार सवाल उठा रहा है। भारतीय जनता पार्टी और जनता दल (यू) के नेताओं ने इसे विपक्ष की जिम्मेदारी से जोड़ते हुए राजद पर हमला बोला है। हालांकि, राजद की ओर से अब तक तेजस्वी यादव की विदेश यात्रा के उद्देश्य और उनकी वापसी की तारीख को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

सरकार के दावे की पोल खोल रहें हैं आंकड़े

एकतरफ तो सरकार दावे करती है पूरा देश स्वच्छता में नंबर एक बना दिया। गांव-गांव में शौचालय बनवा दिया। लोग अब खुले में शौच नहीं करते। इन सबसे अलग शहरों या कस्बों में हमारे देश में कहीं भी महिलाओं के लिए साफ व सुरक्षित सार्वजनिक शौचालयों का नहीं होना बड़ी शर्म की बात है। ये आंकड़े सरकार की पोल खोल रहे हैं। इस समस्या की वजह से महिलाएं पानी पीना तक कम कर देती हैं, जिससे सेहत से जुड़े नए खतरों की आशंका बढ़ जाती है। शौचालय निर्माण की दिशा में काफी काम होने के बावजूद महिलाओं से जुड़ा यह संकट कम नहीं हुआ है। हमारी सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंकती है। सरकारी शिक्षण संस्थाओं से लेकर अन्य महकमों तक में महिला शौचालय न होने की जानकारी सामने आती रहती है। लेकिन जब दूसरों को न्याय दिलाने वाली अदालतों में भी हालत कमोबेश ऐसी ही हो तो चिंता होना स्वाभाविक है।

सुप्रीम कोर्ट में एक मामले की सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने देशभर में जिला व निचली अदालतों में चार सप्ताह के भीतर जहां भी जरूरत हो वहां तुरंत शौचालय निर्माण शुरू कराने के निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कोई पहली बार अदालतों में महिला शौचालयों की कमी की ओर ध्यान दिलाया हो ऐसा नहीं है। सालभर पहले भी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया गया था कि वे शौचालयों के निर्माण व रखरखाव के लिए पर्याप्त धनराशि आवंटित करें। तब भी ऐसे ही मामले की सुनवाई के दौरान यह तथ्य भी सामने आया था कि कई अदालतों में तो महिला जजों तक के लिए पृथक शौचालय नहीं है। ताजा मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि फंड की कमी की कोई दलील सुनी नहीं जाएगी। यदि ऐसा है भी तो शराब व सिगरेट पर अतिरिक्त टैक्स लगाएं, हम उसे सही ठहराएंगे। लेकिन यह विचारणीय विषय है कि हमारी बेटियों की कितनी खराब और दयनीय स्थिति है। बात सिर्फ अदालतों की ही नहीं। जब भी महिलाओं के लिए पृथक शौचालय नहीं होने की बात सामने आती है तो धन की कमी की आड़ ली जाती है। सरकारी दफ्तर हों या फिर सरकारी महकमे अथवा सरकारी स्कूल। सब जगह महिला शौचालयों की उपलब्धता जरूरी है। मुख्य बाजारों व दूसरे सार्वजनिक स्थलों पर यह सुविधा न होने पर महिलाएं कितना असहज महसूस करती होंगी, यह सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। महिलाओं की सुरक्षा, कार्यस्थल पर समान व्यवहार और समान वेतन तथा विधायिकाओं में भी उनके पर्याप्त प्रतिनिधित्व की मांग को लेकर तो बातें खूब होती हैं लेकिन उनकी गरिमा व सेहत से जुड़ी इस मूलभूत जरूरत की लगातार अनदेखी की जाती रही है।

> शौचालय निर्माण की दिशा में काफी काम होने के बावजूद महिलाओं से जुड़ा यह संकट कम नहीं हुआ है। हमारी सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंकती है। सरकारी शिक्षण संस्थाओं से लेकर अन्य महकमों तक में महिला शौचालय न होने की जानकारी सामने आती रहती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

इस छात्र आंदोलन के दीर्घकालीन होने का निहितार्थ

मनोज कुमार झा

सोमवार दोपहर, जब 'कॉकरोच जनता पार्टी' आंदोलनकारियों ने संसद की ओर कूच किया, तो सत्ता के नशे में चूर सरकार ने जो किसी भी किस्म का विरोध सहना तो एक तरफ, असहमति तक बर्दाश्त नहीं करती अपने अहंकार में उन युवाओं पर हाथ उठवाया जिन्होंने सिर्फ उपवास किया था, धरना दिया और अपनी बात रखी थी। वहां हुई धक्का-मुक्की, लाठीचार्ज, खून बहना और आंसू गैस के दृश्य भुलाना मुश्किल होगा। यह उस घटनाक्रम का नतीजा था जो शनिवार सुबह, 18 जुलाई को शुरू हुआ था, जब इस आंदोलन से जुड़े सबसे जाने-माने चेहरों में से एक, सोनम वांगचुक को पुलिस ने बेहद कमजोर व बेबुनियाद कारणों के आधार पर वहां से हटाया। शनिवार और रविवार को, उनकी गैर-मौजूदगी में भी जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन अनवरत जारी रहा। तथापि, अगर इस हिंसा के पीछे मकसद आंदोलन को तोड़ना था, तो पिछले कुछ दिनों ने इसके उलट साबित कर दिखाया।

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आंदोलन किसने शुरू किया, अब इसका नेतृत्व कौन कर रहा, या वहां मौजूद सभी हर मुद्दे पर सहमत हैं या नहीं। मायने यह रखता है कि युवाओं ने इतनी बड़ी संख्या में आकर सामूहिक रोष जताया। यह किसी एक चेहरे, नाम या पार्टी से कहीं बड़ी बात है। अपनेआप में लोकतंत्र की जबरदस्त लहर है। मैंने अपने सामने यह होते देखा, पहले शनिवार को और फिर सोमवार को। मैं 18 जुलाई को जंतर-मंतर पर उपवासरत छात्रों के साथ एकजुटता दिखाने गया था। पहले इसलिए नहीं जा सका कि दिल्ली से बाहर, अपने गृह राज्य में कुछ जरूरी और न टाली जा सकने वाली प्रतिबद्धताओं में व्यस्त था। जब उस सुबह सोनम वांगचुक को हिरासत में लेने की खबर मिली, तो कुछ पल के लिए सोचा कि क्या ऐसे समय में विरोध स्थल पर जाना उचित होगा। मैंने सोचा कि अवश्य ही माहौल मायूसी भरा होगा। फिर खुद को याद दिलाया कि एकजुटता दिखाने का असली औचित्य तो तभी है, जब आंदोलन को डराने या हौसला तोड़ने की कोशिश की जा रही हो।

जंतर-मंतर पर मैंने जो देखा, वह मेरी कल्पना से बिल्कुल अलग था। मायूसी और थकावट के बजाय, दृढ़ संकल्प और हिम्मत व्याप्त देखी। माहौल आशा, नैतिक विश्वास और सामूहिक मकसद के असाधारण भाव से लबरेज था। ये सब युवा कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले इकट्ठा थे, ऐसा नाम जो

विद्रोह दर्शाता है। जब तंत्र के सबसे ऊंचे ओहदों में से एक की ओर से देश के बेरोजगार युवाओं की तुलना के लिए कॉकरोच जैसे अपमानजनक शब्द का प्रयोग किया गया, तो युवाओं ने इस ताने को बतौर पहचान अपना लिया। सामाजिक आंदोलनों के समाजशास्त्र का अध्ययन करने, पढ़ाने और उनमें शामिल होने के पीछे मनोस्थिति का अध्ययन दशकों तक करने के बाद, मैं इस विरोध का विश्लेषण अकादमिक और राजनीतिक, दोनों नजरियों से किए बिना नहीं रह सका; क्योंकि इसमें वे कई खूबियां थीं जिसकी तलाश नव सामाजिक आंदोलनों के सिद्धांतकार लोकतांत्रिक संघर्षों में करते हैं। सिर्फ लिखित सामग्री बांटने वाले या वर्ग-हितों के आधार पर होने वाले पारंपरिक आंदोलनों के उलट, यह जनांदोलन लोकतंत्र की जगह, संवैधानिक नैतिकता व नागरिकता की गरिमा बहाल करने के बारे में भी उतना ही था। एलेन टुरेन का तर्क कि ऐसे आंदोलन समाज की दिशा तय करने के लिए आखिरी उपाय होते हैं- यानी उन मूल्यों को परिभाषित करना, जिनके साथ लोग जीना चाहते हैं-यह मुहिम ठीक उसे परिभाषित करती लगी जो ये युवा हासिल करना चाह रहे; अल्बर्टो मेलुची की अंतर्दृष्टि कि ऐसे अवसरों पर ताकत संगठनात्मक पदानुक्रम के बजाय सामूहिक पहचान व साझा अर्थों से चालित होती है, वह यहां साफ दिखी कि कैसे अजनबी लोग एक साझे मकसद हेतु साथी बन गए। फिर भी, मेरे मन में जो बात सबसे ज्यादा बनी है, उसका संबंध ढांचे के बारे में अधिक न होकर उस बिंदु पर है जो इस पहली बड़ी लामबंदी ने अपने बारे में साबित किया और यहां बीते कुछ दिनों में हुआ दमन जाने-अनजाने, इस आंदोलन का सबसे मजबूत सबूत बन गया। इतनी बड़ी संख्या में लोगों का इकट्ठा होना, हुजूम में भी इतना जुड़ाव, पर्याप्त सबूत है कि यह आंदोलन मात्र प्रभाव बनाने के लिए किया गया दिखावटी विरोध नहीं।

इसके स्वरूप में असल शिकायतों और सच्ची प्रतिबद्धता से उपजी झलक है। न कि वह जिसकी उम्मीद सरकारें अक्सर करती हैं, कि क्या यह आंदोलन क्षणिक चिंगारी है जो जल्द बुझ जाएगी। सबसे बड़ी बात यह कि जिस सुबह इसके सबसे जाने-पहचाने चेहरे को हिरासत में लेकर ले जाया गया, तब भी समूह ने न तो कोई गलती की, न ही बिखरा, बल्कि अपनी जगह शांति और संयम के साथ बनाए रखी, जो वह परिपक्वता, दृढ़ संकल्प दर्शाती है।

संसद का मानसून सत्र : हंगामे नहीं समाधान का संकल्प बने

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा बल उसकी संसद है। यही वह मंच है जहां देश की आकांक्षाएं, समस्याएं और भविष्य की दिशा तय होती है। संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श, जवाबदेही और जनभावनाओं की अभिव्यक्ति का सर्वोच्च मंच है। ऐसे में 20 जुलाई से प्रारंभ हो रहा संसद का मानसून सत्र केवल एक संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की परिपक्वता की नई परीक्षा भी है। देश की जनता की अपेक्षा है कि यह सत्र शोर-शराबे, आरोप-प्रत्यारोप और गतिरोध का नहीं, बल्कि सार्थक संवाद, गंभीर बहस और ठोस निर्णयों का सत्र बने। दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में संसद के दृश्य लोकतांत्रिक गरिमा की अपेक्षा राजनीतिक टकराव के प्रतीक अधिक दिखाई दिए हैं।

सदन में नीति और नीयत पर चर्चा कम तथा नारे, तख्तियां, वेल में प्रदर्शन और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक दिखाई देती रही है। संसद का प्रत्येक मिनट जनता के कर से चलता है, इसलिए उसका अनुत्पादक होना केवल संसदीय विफलता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संसाधनों का भी दुरुपयोग है। संसद का उद्देश्य सरकार को घेरना अवश्य है, लेकिन केवल हंगामा खड़ा करना नहीं; उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल बहुमत के बल पर निर्णय लेना नहीं, बल्कि विपक्ष की बात सुनना और संवाद के लिए वातावरण बनाना भी है। इस बार विपक्ष के पास अनेक ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर वह सरकार को घेरने की तैयारी में है। प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, शिक्षा व्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी, विदेश नीति, सीमा सुरक्षा, धार्मिक स्थलों से जुड़े विवाद, मन्दिरों में चोरी, कर व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया जैसे विषय निश्चित रूप से राष्ट्रीय महत्व के हैं। इन पर संसद में गंभीर चर्चा होना लोकतंत्र की आवश्यकता भी है और जनता का अधिकार भी। लेकिन यदि ये विषय केवल राजनीतिक नारेबाजी का माध्यम बनकर रह जाएं, तो उनका उद्देश्य समाप्त हो जाएगा।

संसद में उठाया गया प्रत्येक मुद्दा समाधान की दिशा में बढ़े, यही लोकतांत्रिक परिपक्वता का प्रमाण होगा। विपक्ष लोकतंत्र का अनिवार्य स्तंभ है। उसका दायित्व केवल सरकार का विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार को बेहतर निर्णय लेने के लिए प्रेरित करना भी है। स्वस्थ लोकतंत्र में विपक्ष सरकार की आंख और कान दोनों होता है। यदि वह केवल विरोध की राजनीति तक सीमित हो जाए, तो उसकी विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। दूसरी ओर सरकार भी यदि विपक्ष के प्रत्येक प्रश्न को राजनीतिक षड्यंत्र मानकर संवाद से बचती है, तो लोकतंत्र का संतुलन कमजोर पड़ता है। इसलिए सत्ता और विपक्ष, दोनों को अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करना होगा। मानसून सत्र में यदि शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा होती है तो उसका केंद्र छात्रों का भविष्य होना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक लाभ। यदि महंगाई पर बहस हो तो उसका उद्देश्य आम नागरिक को राहत देने वाली नीतियों पर विचार होना चाहिए। यदि राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति अथवा सीमा संबंधी विषय उठते हैं तो उनमें दलगत राजनीति के बजाय राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होना चाहिए। संसद की बहस तब सार्थक कही जाएगी, जब उससे नीति निर्माण की दिशा निकले और जनता को यह विश्वास हो कि उसकी समस्याओं पर गंभीरता से विचार हो रहा है। लोकतंत्र में बहस और असहमति कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति है।

किंतु जब असहमति का स्थान अवरोध ले लेता है और बहस की जगह बहिष्कार आ जाता है, तब लोकतंत्र की आत्मा आहत होती है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि संसद को चलाना ही लोकतंत्र की वास्तविक कसौटी है। यह विचार आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। संसद का ठप होना किसी एक दल की नहीं, बल्कि पूरे लोकतंत्र की हार है। इस समय देश अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। युवाओं को रोजगार चाहिए, किसानों को बेहतर आय की अपेक्षा है, मध्यम वर्ग महंगाई से परेशान है, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की जरूरत है तथा वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बीच भारत को अपनी विकास गति बनाए रखनी है। ऐसे समय संसद से जनता समाधान चाहती है, संघर्ष नहीं। यदि पूरा सत्र केवल राजनीतिक टकराव में बीत गया तो सबसे बड़ा नुकसान आम नागरिक का होगा, जिसकी आवाज संसद तक पहुंचनी चाहिए।

संसद की गरिमा केवल अध्यक्ष की कुर्सी या ऐतिहासिक भवन से नहीं बनती, बल्कि वहां बैठने वाले जनप्रतिनिधियों के आचरण से बनती है। सांसदों को यह स्मरण रखना चाहिए कि वे केवल अपने दल के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि देश की जनता के प्रतिनिधि हैं। संसद में उनका प्रत्येक शब्द और प्रत्येक व्यवहार लोकतांत्रिक संस्कृति का हिस्सा बनता है। इसलिए व्यक्तिगत आरोपों और कटुता के स्थान पर तथ्यों, तर्कों और नीति आधारित विमर्श को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। भारतीय जनता पार्टी का यह दावा रहा है कि वह विकास, सुशासन और नीति आधारित राजनीति में विश्वास रखती है। यदि ऐसा है तो उसे विपक्ष द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण प्रश्नों का तथ्यात्मक उत्तर देने में संकोच नहीं होना चाहिए। वहीं विपक्ष को भी यह समझना होगा कि केवल नारे लगाने अथवा कार्यवाही बाधित करने से जनता का विश्वास नहीं जीता जा सकता। उसे वैकल्पिक नीतियां, ठोस सुझाव और रचनात्मक आलोचना प्रस्तुत करनी होगी। लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष दोनों की सफलता संसद की सफलता से जुड़ी होती है।

घर पर बनाएं 6 फ्लेवर की ठंडी-ठंडी लस्सी

गर्मियों के मौसम में ठंडे और ताजगी भरे पेय की जरूरत सभी को होती है। ऐसे में लस्सी एक पारंपरिक भारतीय ड्रिंक है, जिसमें स्वाद और सेहत दोनों का मिश्रण है। दही से बनी लस्सी न सिर्फ शरीर को ठंडक देती है, बल्कि पाचन को भी बेहतर बनाती है। लेकिन अगर आप रोज वही सिंपल लस्सी पीकर बोर हो चुके हैं, तो अब कुछ नया चीज ट्राई कर सकते है। ऐसे में आप 6 अलग-अलग फ्लेवर की लस्सी घर पर बेहद आसानी से बना सकते हैं। चाहे क्लासिक लस्सी हो या मैंगो, स्ट्रॉबेरी, मीठी, नमकीन या गुलाब लस्सी हो, हर एक का स्वाद आपको अलग अनुभव देगा। ये सभी लस्सी जल्दी बन जाती हैं, कम सामग्री में तैयार हो जाती हैं और हर उम्र के लोगों को पसंद आती हैं। अगर घर पर मेहमान आने वाले हैं या आप कुछ स्पेशल बनाना चाहते हैं, तो ये लस्सी आपके लिए परफेक्ट विकल्प है। हर फ्लेवर की लस्सी का रंग भी अलग होगा, जो देखने और सर्व करने में भी इम्प्रेसिव लगता है।

नमकीन लस्सी

नमकीन लस्सी को छाछ भी कह सकते हैं। इसमें दही, नमक, भुना जीरा और पुदीना डालकर तैयार किया जाता है। यह पाचन के लिए बेहद फायदेमंद होती है। इसे खाने के समय पर भी सर्व कर सकते हैं। इसे बनाते समय जीरा भूनने के लिए, उसे एक पैन/कडाही में सुनहरा भूरा और अच्छी खुशबू आने तक सूखा भून लें। उन्हें कमरे के तापमान पर ठंडा होने दें और बाद में उन्हें मिक्सर ग्राइंडर या खल-दस्ते से पीस लें। मलाईवाले दहीं का उपयोग करें और ध्यान रखें कि वह खट्टा न हों। लस्सी बनाने के लिए इलेक्ट्रीक ब्लेंडर के स्थान पर मथनी का उपयोग करें। बदलाव के लिए, उसमें चुटकीभर सूखे पुदीना के पते और 1 टेबलस्पून कटा हुआ हरा धनिया डालें। बदलाव के लिए, उसमें चुटकीभर चाट मसाला पाउडर या काला नमक डालें। पतली लस्सी बनाने के लिए ज्यादा पानी डालें और गाढी लस्सी बनाने के लिए कम पानी डालें।

क्लासिक लस्सी

इस तरह की लस्सी दही, चीनी और इलायची के मिश्रण से तैयार होती है। यह लस्सी हर किसी की पसंदीदा होती है। इसे ठंडा करके ऊपर से केसर डालकर सर्व करें। यह पारंपरिक लस्सी होती है, जो हर जगह आपको मिल जाती है।

स्ट्रॉबेरी लस्सी

गुलाबी रंग की लस्सी गर्मी में मन और शरीर दोनों को ठंडक देती है। यह लस्सी खट्टी-मीठी होती है और देखने में भी बेहद आकर्षक लगती है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक बाउल में चिया सीड्स और दो अंजीर मिलाएं। अब इसमें बादाम मिलाकर आधे घंटे के लिए इसे पानी में भिगोकर रख दें। इसके बाद आपको मिक्सर जार में 200 एमएल दही डालनी है और भीगी हुई सामाग्रियां मिलानी है। अब इसमें स्ट्रॉबेरी मिलाकर इसे अच्छे से पीस लें। लीजिए आपकी हेल्दी स्ट्रॉबेरी ड्रिंक बनकर तैयार है।

मैंगो लस्सी

गर्मी का मौसम आते ही आम की बहार आ जाती है। आम पौष्टिकता से भरपूर फल है। इसे एनर्जी का पॉवर हाउस भी माना जाता है। पके हुए आम से बनने वाली मैंगो लस्सी को बड़े हो या बच्चे सभी पसंद करते हैं। इसे बनाने के लिए आपको कुछ सिंपल स्टेप्स फॉलो करना होंगे। इससे आप मार्केट जैसी लस्सी तैयार कर सकेंगे। मैंगो लस्सी यानी आम की लस्सी बनाने के लिए सबसे पहले मीठे रसीले आम का सेलेक्शन करें। अब आम को धोएं और उसे काटकर गूदा एक बड़ी बाउल में निकालें। एक-एक कर सारे आम का गूदा निकालें और गुठली को अलग करें। अब ब्लेंडर में आम का गूदा और दही डालकर कुछ सेकंड तक ब्लेंड करें। इसके बाद मिश्रण में इलायची पाउडर और स्वादानुसार चीनी डालकर मिलाएं। अब मिश्रण को 20 सेकंड तक ब्लेंड करें। ऊपर से कटे हुए आम के दो-तीन छोटे स्लाइस से सजावट करके सर्व करें।

गुलाब लस्सी

इस तरह की लस्सी का रंग और स्वाद दोनों ही आकर्षक होते हैं। सबसे पहले एक बड़े कटोरे में दही लें और उसे अच्छी तरह फेंट लें। अब दही में गुलाब का शरबत और चीनी डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब थोड़ा ठंडा पानी मिलाएं। अब सभी सामग्रियों को ब्लेंडर में डालकर स्मूद बना लें। अब एक गिलास में बर्फ के टुकड़े डालकर रोज लस्सी डालें।

मीठी लस्सी

इस लस्सी को बनाने के लिए दही, चीनी, ड्राई फ्रूट्स और थोड़ा गुलाब जल मिलाकर तैयार करें। यह लस्सी रिच और स्वादिष्ट होती है। इसमें ज्यादा ड्राई फ्रूट्स शामिल करने से लस्सी का टेस्ट अधिक बढ़ जाता है।

हंसना मना है

संता-डॉक्टर साहब दो साल पहले मुझे बुखार आया था । डॉक्टर-तो अब क्या? संता-आपने नहाने को मना किया था आज इधर से गुजर रहा था तो सोचा कि पूछता चलूं .. अब नहा लूं क्या?

चिंटू-मुझे 100 रुपये दे दो। बदले में तुझे लाख रुपये की सलाह दूंगा। पिंटू-यह ले। अब क्या सलाह है? चिंटू-यही कि भाई! हर किसी को ऐसे पैसे मत बांटा कर।

संता ने अमरूद लिए तो उसमें से कीड़ा निकला। संता अमरुद वाले से: इसमें तो कीड़ा है! अमरुद वाला: ये किस्मत की बात है, क्या पता अगली बार मोटर साइकिल निकल जाए। संता : दो किलो और दे दो।

डॉक्टर मरीज से: अगर तुम मेरी दवा से ठीक हो गए तो मुझे क्या इनाम दोगे। मरीज: साहब मैं तो बहुत गरीब आदमी हूं, कब्र खोदता हूं आपकी फ्री में खोद दूंगा।

एक दस साल का बच्चा बहुत ध्यान से एक किताब पढ़ रहा था जिसका टाइटल था, 'बच्चों का पालन-पोषण कैसे करें? मां - तुम इस किताब को क्यों पढ़ रहे हो? बच्चा- मैं ये देखना चाहता हूं कि मेरा पालन-पोषण ठीक से हो रहा है या नहीं?

कहानी | प्रत्येक वस्तु पर हमारा ही अधिकार हो?

एक राजा ने घोषणा करवाई कि कल सुबह जब महल का मुख्य दरवाजा खोला जायेगा तब जिस व्यक्ति ने भी महल में जिस वस्तु या जीव को हाथ लगा देगा वह वस्तु या जीव उसकी हो जाएगी। यह सुनकर सब आपस में बातचीत करने लगे कि मैं तो सबसे क़ीमती वस्तु या जीव को हाथ लगाऊंगा। कुछ लोग कहने लगे मैं तो सोने को हाथ लगाऊंगा, कुछ लोग चांदी को तो कुछ लोग कीमती जेवरात को, कुछ लोग घोड़ों को तो कुछ लोग हाथी को, कुछ लोग दुधारू गाय को हाथ लगाने की बात कर रहे थे। सुबह दरवाजा खुला तो सब अपनी अपनी मनपसंद वस्तु या जीवों के लिये दौड़ने लगे। सबको इस बात की जल्दी थी कि पहले मैं अपनी मनपसंद वस्तु या जीव को हाथ लगा दूं ताकि वह वस्तु या जीव हमेशा के लिए मेरी हो जाऐ। राजा अपनी जगह पर बैठा सबको देख रहा था और अपने आस-पास हो रही भाग दौड़ को देखकर मुस्कुरा रहा था। उसी समय उस भीड़ में से एक व्यक्ति राजा की तरफ बढ़ने लगा और धीरे-धीरे चलता हुआ राजा के पास पहुंच कर उसने राजा को छू लिया। राजा को हाथ लगाते ही राजा उसका हो गया और राजा की हर वस्तु भी उसकी हो गयी।

शिक्षा- जिस तरह राजा ने उन लोगों को मौका दिया और उन लोगों ने गलतियां की। ठीक इसी प्रकार प्रभु भी हम सबको प्रत्येक दिन अवसर देते हैं, लेकिन हम भी प्रत्येक दिन वही गलतियां करते हैं। हम प्रभु को पाने की बजाए उस परमपिता की बनाई हुई दुनियां की चीजों की कामना करते हैं। लेकिन कभी भी हम लोग इस बात पर गौर नहीं करते कि क्यों न दुनियां को बनाने वाले प्रभु को पा लिया जाए। अगर प्रभु हमारे होगए तो ही उसकी बनाई हुई प्रत्येक वस्तु पर भी हमारा ही अधिकार हो जाएगा।

7 अंतर खोजें

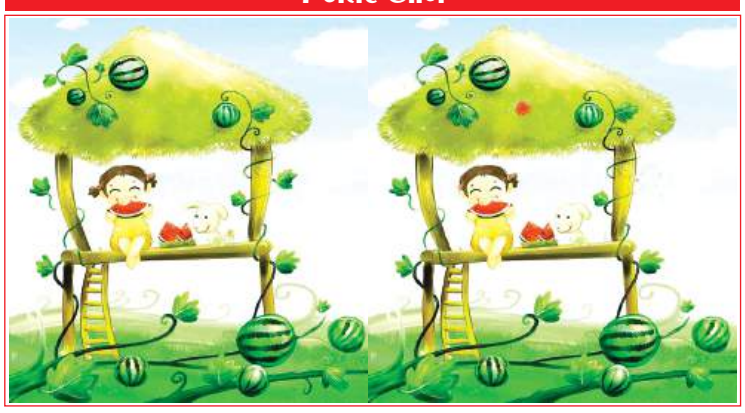

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। विरोध होगा।

वृषभ राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश लाभ देगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बिगड़े काम बनेंगे।

मिथुन किसी व्यक्ति की बातों में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें।

कर्क राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

सिंह आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा। स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा।

कन्या यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। लाभ होगा।

तुला व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा।

वृश्चिक थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश से लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेंगे। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी।

धनु शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा।

मकर व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि का प्रयोग करें।

कुम्भ नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी। आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

मीन रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी।

फिर सिनेमाघरों में दस्तक देगी आमिर की फिल्म 3 इडियट्स

आमिर खान के जन्मदिन के अवसर पर बीते साल आयोजित एक फेस्टिवल में फैंस को उनकी कुछ चर्चित फिल्में दोबारा देखने का मौका मिला। हालांकि, उस लिस्ट में उनकी चर्चित और हिट फिल्म 3 इडियट्स शामिल नहीं थी। अब ऐसी खबर है कि साल 2009 में आई यह ब्लॉकबस्टर फिल्म री-रिलीज होने वाली है।

राजकुमार हिरानी निर्देशित फिल्म 3 इडियट्स की री-रिलीज की चर्चा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सितंबर में यह सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होगी। अपनी मूल रिलीज के करीब 17 साल बाद 3 इडियट्स री-रिलीज हो रही है। बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, अपनी रणनीतिक योजनाओं के तहत एनएच स्टूडियोज 4 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में ब्लॉकबस्टर फिल्म 3 इडियट्स को बड़े पैमाने पर फिर से रिलीज करने जा रहा है। इससे दर्शक एक बार फिर इसे सिनेमाघरों में देख पाएंगे। बता दें कि इस फिल्म में आमिर खान के अलावा आर. माधवन, शरमन जोशी, करीना कपूर और बोमन ईरानी जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में हैं।

इसी महीने, आमिर खान की फिल्म 3 इडियट्स फिर से चर्चा में रही। दरअसल, सोनम वांगचुक की NEET-UG पेपर लीक विवाद को लेकर भूख हड़ताल के बीच फिल्म 3 इडियट्स का ताल्लुक उनसे बताया गया। वर्षों से कई दर्शकों का मानना रहा है कि आमिर का किरदार फुंसुक वांगडू, लोग रैंचो के नाम से जानते हैं, वह सोनम वांगचुक से प्रेरित था। इस बात ने तब और जोर पकड़ा, जब फिल्म में आमिर के साथ चतुर का किरदार निभाने वाले एक्टर ओमी वैद्य ने सोनम वांगचुक के समर्थन में एक वीडियो पोस्ट किया और दावा किया कि रैंचो का किरदार असल में उन्हीं पर आधारित था। मगर, आमिर खान ने ब्रिटिश फिल्म इंस्टीट्यूट में एक सेशन के दौरान इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी और इस दावे को खारिज कर दिया। उन्होंने साफ किया, जब हम फिल्म बना रहे थे, तब मुझे मिस्टर सोनम के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। मैंने हाल ही में चतुर का एक वीडियो देखा, जिसमें उन्होंने यह बात कही थी। लेकिन वे गलत हैं। उन्होंने आगे बताया कि जब फिल्म की स्क्रिप्ट लिखी जा रही थी, तब न तो डायरेक्टर राजकुमार हिरानी और न ही राइटर अभिजात जोशी को वांगचुक के बारे में कोई जानकारी थी।

सीजेपी प्रोटेस्ट के समर्थन में उतरीं सोनाक्षी सिन्हा

सोनाक्षी सिन्हा अक्सर सामाजिक और गंभीर मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखने के लिए जानी जाती हैं। अब उन्होंने दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे सीजेपी प्रोटेस्ट को एक बार फिर अपना समर्थन दिया है। सोनाक्षी ने 20 जुलाई को दिल्ली में हुए संसद चलो प्रदर्शन की कई दिल दहलाने वाली तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। सोनाक्षी सिन्हा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सीजेपी प्रोटेस्ट को समर्थन देते हुए संसद चलो प्रदर्शन की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो आपको बैचेन कर सकती हैं। ये पोस्ट उस प्रदर्शन के बाद सामने आई है, जहां प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई थी। कई फोटोज में लाठीचार्ज, आंसू गैस और छात्रों के घायल होने के नजारे

भी सामने आए। प्रदर्शन कर रहे ये छात्र नीट पेपर लीक मामले में कार्रवाई और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

सोनाक्षी सिन्हा ने फोटोज शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 20 जुलाई... बहुत लोगों की हड्डियां टूटी और एक पूरे देश का दिल टूटा। याद रखना। तस्वीरों में घायल छात्र, पुलिस की कार्रवाई और विरोध प्रदर्शन की झलकियां साफ दिखाई दे रही हैं। ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

बता दें कि इससे पहले भी सोनाक्षी सिन्हा इस प्रोटेस्ट को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दे चुकी हैं। उन्होंने लोगों से सोनम वांगचुक और प्रदर्शन कर रहे छात्रों का समर्थन करने की अपील की थी। एक्ट्रेस ने वीडियो शेयर करते हुए कहा था कि लोकतंत्र में हर किसी की आवाज को सुना जाना जरूरी है। इसके अलावा उन्होंने सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाने के तरीके पर भी सवाल उठाए थे और सरकार से प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत करने की अपील की थी।

बॉलीवुड | मन की बात

रियलटी शो में आटो ट्यून के इस्तेमाल से दुखी होकर सुनिधि चौहान ने छोड़ा शो

सुनिधि चौहान ने फिल्मों में कई सुपरहिट गाने गाए हैं। वे कई सिंगिंग रियलिटी शोज में जज भी रह चुकी हैं, लेकिन पिछले कुछ सालों से उन्होंने ऐसे शोज से दूरी बना ली है। फैंस लंबे समय से इसकी वजह जानना चाहते थे। अब सुनिधि ने खुद बताया है कि उन्होंने ऐसा फैसला क्यों लिया। एक्टर शेखर सुमन के चैट शो शेखर टुनाइट में उन्होंने खुलकर बताया कि आखिर किस वजह से उन्होंने जज की कुर्सी छोड़ने का फैसला किया। बातचीत के दौरान शो को होस्ट शेखर सुमन ने बताया कि सुनिधि चौहान हमेशा विवादों से दूर रही हैं। पहले वे कई सिंगिंग रियलिटी शोज में बतौर जज नजर आती थीं, लेकिन अब काफी समय से उन्होंने ऐसे शोज से दूरी बना ली है। इस पर सुनिधि ने कहा कि ये फैसला किसी और का नहीं, बल्कि पूरी तरह उनका अपना था। सुनिधि ने कहा, मैं बहुत लंबे समय तक रियलिटी शोज का हिस्सा रही, लेकिन फिर मुझे लगा कि अब ये मेरी जगह नहीं है। इसलिए मैंने खुद ही ऐसे शोज करना बंद कर दिया। जब शेखर सुमन ने उनसे पूछा कि आखिर ऐसा क्या बदल गया, जिसके बाद उन्हें लगा कि अब रियलिटी शो उनके लिए सही जगह नहीं हैं, तो इस पर सुनिधि ने संगीत की दुनिया में आए बदलावों को मुख्य कारण बताया। उन्होंने कहा, ये बहुत दुख की बात है। पहले ऑटो-ट्यून या मेलोडाइन का इस्तेमाल सिर्फ गानों को बेहतर बनाने के लिए होता था। लेकिन अब यही चीज रियलिटी शोज में भी होने लगी है, जो सही नहीं है। यहां सब कुछ असली होना चाहिए। ऐसे शोज का मकसद नई और असली आवाज को मौका देना होता है। जब मैंने देखा कि यहां भी ऐसा होने लगा है, तो मुझे लगा कि चीजें सही नहीं हैं और मैं उसका हिस्सा नहीं बन सकती।

जब दुनिया में फैली थी नाचने वाली महामारी! कई-कई महीने लगातार नाचते रहे लोग, थक कर हो जाती थी मौत!

मानव इतिहास में कई अजीबोगरीब महामारियां आई हैं। कुछ ने लाखों लोगों को बीमार किया, कुछ ने मौत दी, लेकिन 1518 की 'डांसिंग प्लेग' शायद सबसे विचित्र और रहस्यमयी घटना है। जुलाई 1518 में फ्रांस के स्ट्रासबर्ग शहर (तब पवित्र रोमन साम्राज्य का हिस्सा) में एक महिला अचानक सड़क पर नाचने लगी थी। वह कई दिनों तक बिना रुके नाचती रही। कुछ दिनों में सैकड़ों लोग उसके साथ जुड़ गए।

बताया जाता है कि एक महिला के नाचने से शुरू हुआ ये सफर करीब चार सौ लोगों तक जा पहुंचा था। ये क्यों शुरू हुआ और इसकी वजह क्या थी, ये आज भी एक रहस्य है। सोशल मीडिया पर इस महामारी से जुड़ी कई कहानियां शेयर की गई है, जिसने इतने सालों बाद फिर से इसे वायरल कर दिया है। सबसे पहले Frau Troffea नाम की एक महिला बिना किसी संगीत के नाचने लगी थी। वह हफ्ते भर तक लगातार नाचती रही। फिर और लोग उसके साथ शामिल होते गए। एक महीने के अंदर करीब 400 से ज्यादा लोग अनियंत्रित रूप से नाच रहे थे। लोग थकान से चूर हो जाते, फिर भी रुक नहीं पाते थे। कई लोगों के पैरों में खून बहने लगा, कुछ के दिल का दौरा पड़ गया और वे मर गए। अनुमान है कि इस महामारी से सैकड़ों मौतें हुई थी। डॉक्टर्स ने इसे हॉट ब्लड की बीमारी बताया था। वहीं धर्मगुरुओं ने इसे शैतान का प्रभाव माना था। उन्होंने इसे श्राप का असर बता दिया था। शहर के अधिकारियों ने संगीतकारों को बुलाकर और ज्यादा नाचने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि लोग थककर गिर जाएं। लेकिन उन्हें रोकने का ये आइडिया फेल हो गया था। कई लोग नाचने की वजह से मौत के मुंह में समा गए। इसके बाद अपने आप ही ये महामारी खत्म हो गई। आज के वैज्ञानिक इसे mass psychogenic illness (सामूहिक मानसिक बीमारी) मानते हैं। दरअसल, उस समय भुखमरी, तनाव, सिफलिस जैसी बीमारियां और एर्गोट फंगस फैली थी। इन सबको भी कारण माना जाता है। कुछ महीनों बाद धीरे-धीरे लोगों ने थककर या मरकर नाचना बंद कर दिया। और स्ट्रासबर्ग फिर से सामान्य हो गया। यह घटना दिखाती है कि सामूहिक तनाव और सामाजिक दबाव कितना खतरनाक हो सकता है। आधुनिक दुनिया में भी mass hysteria के मामले देखे जाते हैं। 1518 की डांसिंग प्लेग मानव इतिहास की सबसे अजीब महामारियों में से एक है। यह हमें याद दिलाती है कि विज्ञान और समझ के बिना अंधविश्वास और तनाव कितना नुकसान पहुंचा सकते हैं।

अजब-गजब | गधों की सुरक्षा के लिए किया जाता है अनोखा उपाय

इस टापू पर गधों को पहनाया जाता है पजामा

पेरिस। दुनियाभर में जानवरों की अनोखी आदतों और इंसानों द्वारा उनके लिए बनाए गए अनूठे रिवाजों की कोई कमी नहीं है। लेकिन क्या आप कभी सोच सकते हैं कि किसी जगह पर गधे बाकायदा इंसान जैसी पैंट या पजामा पहनकर घूमते हों? आज हम आपको धरती की ऐसी ही अनोखी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं। फ्रांस के पश्चिमी तट पर ला रोशेल के पास स्थित इल-दे-रे नाम का एक बेहद खूबसूरत आइलैंड मौजूद है। यह टापू अपने रेतीले समुद्र तटों, शांत माहौल और ठंडी हवाओं के लिए पर्यटकों के बीच बेहद मशहूर है। लेकिन इस टापू की सबसे अनोखी पहचान यहां रहने वाले गधे हैं, जो किसी आम जानवर की तरह नहीं, बल्कि रंग-बिरंगी और चेकदार पैंट पहनकर सड़कों व पार्कों में घूमते हुए दिखाई देते हैं। इन गधों को एन्स एन कुलोट यानी पैंट पहने हुए गधे कहा जाता है।

ये कोई आम गधे नहीं हैं, बल्कि यह गधों की सबसे बड़ी और दुर्लभ प्रजातियों में से एक पॉइटौ नस्ल के गधे हैं। फ्रांस के पॉइटौ क्षेत्र से ताल्लुक रखने वाले इन गधों की सबसे बड़ी खासियत इनका भारी-भरकम शरीर और उस पर लटकते हुए लंबे, उलझे और घने बाल होते हैं, जिन्हें कादानेत कहा जाता है। अपनी ताकत और लंबे कद-काठी के कारण प्राचीन समय में इन गधों का इस्तेमाल इल-दे-रे टापू के नमक

के मैदानों और खेतों में बोझा ढोने और काम करने के लिए किया जाता था। अब सवाल यह उठता है कि इन गधों को पैंट पहनाने की जरूरत क्यों पड़ी? दरअसल, जब ये गधे नमक के दलदली मैदानों और खेतों में काम करते थे, तो दलदल में पनपने वाले जहरीले मच्छर और कीड़े-मकोड़े इनकी टांगों पर काटकर इन्हें बहुत परेशान करते थे। कीड़ों के काटने से गधों के पैरों में गंभीर इन्फेक्शन हो जाता था।

इस समस्या का अनोखा हल निकालते हुए इनके मालिकों ने पुराने पर्दे वाले कपड़ों या गद्दों के कवर वाले धारीदार कपड़ों से गधों की चारों टांगों के लिए पजामा सिलना शुरू कर दिया। काम पर जाने से पहले रोज सुबह गधों को यह पैंट पहना दी जाती थी, जिससे कीड़े उनके पैरों तक न पहुंच सकें। आजकल मशीनीकरण के कारण नमक के मैदानों में इन गधों से काम लेना बंद कर दिया गया है। लेकिन, इसके बावजूद यह परंपरा आज भी पूरी तरह से जिंदा है और काम कर रही है! हालांकि, अब इसका उद्देश्य बदल चुका है। अब गधों को खेती के लिए नहीं, बल्कि इस ऐतिहासिक परंपरा को जीवित रखने और टापू पर आने वाले पर्यटकों व बच्चों को आकर्षित करने के लिए पैंट पहनाई जाती है। टापू के सेंट-मार्टिन-दे-रे स्थित बारबेट पार्क में पर्यटक अप्रैल से अक्टूबर के महीनों में आज भी इन पैंट पहने गधों को देख सकते हैं, उनके साथ तस्वीरें खिंचवा सकते हैं और उनकी सवारी का लुत्फ उठा सकते हैं। एक दौर था जब पॉइटौ नस्ल के खच्चरों की पूरी दुनिया में भारी मांग थी और इन्हें दुनिया का सबसे बेहतरीन कामकाजी खच्चर माना जाता था। मध्य 20वीं सदी तक हर साल 30,000 से ज्यादा खच्चरों को दुनिया भर में निर्यात किया जाता था। लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद मशीनों के आने से इनकी मांग खत्म हो गई और 1977 तक दुनिया में सिर्फ 44 शुद्ध पॉइटौ गधे ही बचे थे। हालांकि, संरक्षण प्रयासों के चलते इनकी आबादी में सुधार हुआ है और आज दुनिया भर में हजारों पॉइटौ गधे मौजूद हैं, जो अपनी इस अनूठी पैंट वाली पहचान से इल-दे-रे टापू की शान बढ़ा रहे हैं।

छात्रों के आंदोलन में जुड़ रहे और सियासी दल

धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा दे देना चाहिए: नवीन पटनायक

» कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन को बीजद का समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नीट-यूजी पेपर लीक मामले को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर जारी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन ने अब और भी उग्र राजनीतिक मोड़ ले लिया है। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री और ओडिशा विधानसभा में विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के तुरंत इस्तीफ़े की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई की तीखी आलोचना की है। बीजू जनता दल के प्रमुख नवीन पटनायक ने दिल्ली में पार्टी सांसदों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक करने के बाद यह बयान दिया।

नवीन पटनायक ने कहा, मैंने अभी दिल्ली में हो रही गंभीर घटनाओं को लेकर बीजद सांसदों के साथ बैठक की है... हालात बहुत गंभीर हैं। कई युवा छात्रों पर हिंसक हमले हुए हैं। सांसद उनसे मिलने अस्पताल गए थे... मुझे कल सुबह ज़रूरी कामों के लिए भुवनेश्वर लौटना है। लेकिन हमारे सांसद इस मामले को गंभीरता से उठाएंगे। मुझसे यह भी पूछा गया कि क्या शिक्षा मंत्री को इस्तीफ़ा दे देना चाहिए... मौजूदा हालात को देखते हुए, मुझे लगता है कि उन्हें इस्तीफ़ा दे देना चाहिए। यह घटनाक्रम तब हुआ है जब कॉकरोच जनता पार्टी ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में संसद चलो विरोध प्रदर्शन किया, जिस पर पुलिस ने कार्रवाई की। दिल्ली पुलिस ने दावा किया है कि झड़पों में 118 से ज़्यादा पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। 60 से ज़्यादा प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं। पुलिस ने कथित हिंसा, पत्थरबाज़ी और तोड़फोड़ के सिलसिले में पांच एफआईआर दर्ज की हैं और घटनाओं में शामिल लोगों की पहचान करने के लिए 250 से ज़्यादा वीडियो की जांच कर रही है। विपक्षी नेताओं ने पुलिस की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है और आरोप लगाया है कि प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया गया और आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया।

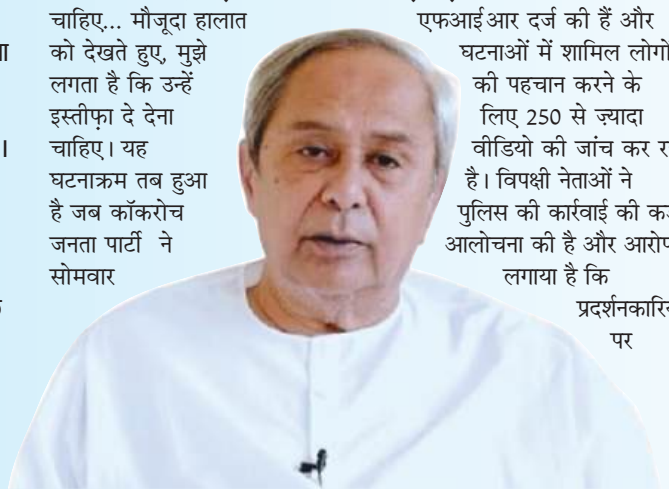

शरद पवार और सांसद सुप्रिया सुले जंतर-मंतर पर पहुंचे

मंगलवार को शरद पवार और सांसद सुप्रिया सुले जंतर-मंतर पर विरोध स्थल पर पहुंचे, जहां पेपर लीक के खिलाफ़ अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखे हुए है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग का समर्थन किया है। शरद पवार ने पर पोस्ट किया, परीक्षा में पेपर लीक होने के बाद, छात्रों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल और विरोध प्रदर्शन किया है। कल अपनी जायज़ मांगों के लिए संघर्ष कर रहे छात्रों के साथ जैसा बर्ताव किया गया, वह लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। आज मैं विरोध स्थल पर गया, छात्रों से मिला, आंदोलन के दौरान घायल हुए लोगों के बारे में जानकारी ली और उनकी मांगों के बारे में भी विस्तार से जाना।

लाठीचार्ज के शिकार छात्रों को आप का समर्थन : केजरीवाल

» मोदी सरकार पर पूर्व सीएम ने छात्रों के साथ बर्बरता करने का लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज और उसके बाद दर्ज की गईं एफआईआर पर आम आदमी पार्टी ने छात्रों को समर्थन दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मोदी सरकार पर छात्रों के साथ बर्बरता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लाठीचार्ज के शिकार छात्रों के साथ आप पूरी मजबूती से खड़ी है। केजरीवाल ने आंदोलनकारियों को अपना समर्थन दिया।

उन्होंने छात्रों को आह्वान करते हुए कहा कि इस लड़ाई में वह पूरी तरह उनके साथ है। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। बहुत से युवाओं को पुलिस ने बिना एफआईआर के हिरासत में ले रखा है। उन्होंने कहा कि आप इन युवाओं को लीगल और मेडिकल सहायता उपलब्ध कराएगा। इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 8588833548 जारी किया गया है। केजरीवाल ने कहा कि इस नंबर पर कॉल या मैसेज करते ही 'आप' की टीम तुरंत मदद करेगी। जरूरत पड़ने पर देश के बड़े अधिवक्ता भी उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रेस वार्ता में उन्होंने जंतर-मंतर पर छात्रों पर बर्बरता का आरोप केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लगाया। उन्होंने पीएम की तुलना जलियांवाला बाग के जनरल डायर से की।

भारत का जिम्बाब्वे से पहला टी20 मैच कल

» बतौर कप्तान अपना पहला टी20 मैच जीतने की कोशिश करेंगे श्रेयस अय्यर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरारे। आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में मिली हार के बाद अब टीम इंडिया जिम्बाब्वे के साथ खेलते हुए नजर आएगी। तीन मैचों की टी20 सीरीज का आगाज 23 जुलाई से हरारे में होगा। इस सीरीज में भारतीय टीम पर पिछली दो सीरीज में हारने का दबाव भी होगा। श्रेयस अय्यर को अभी भी बतौर कप्तान सीरीज तो छोड़िए पहली टी20 इंटरनेशनल जीत का भी इंतजार है। यह जीत का स्वाद उन्हें जिम्बाब्वे में चखने को मिल पाता है या नहीं, यह भी देखने वाली बात होगी। अय्यर की टीम जिम्बाब्वे पहुंच गई हैं। इस दौरे पर बिल्कुल नया कोंचिग स्टाफ नजर आने वाला है। भारत के हेड कोच गौतम गंभीर इस दौरे पर टीम के साथ नहीं होंगे। उनकी गैरमौजूदगी में वीवीएस लक्ष्मण कोंचिग का जिम्मा संभालेंगे।

इस सीरीज पर आईपीएल 2026 में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। जिसमें वैभव सूर्यवंशी, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव, प्रभसिमरन सिंह जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे में अभी तक कुल 12 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं। भारत को यहां 9 मैचों में जीत मिली है जबकि तीन मैच भारतीय टीम जिम्बाब्वे में हारी भी है। पिछले दौरे पर टीम इंडिया शुभमन गिल की कप्तानी में हरारे में सीरीज का पहला मैच ही हार गई थी। हालांकि, उसके बाद चारों मुकाबले जीतते हुए भारत ने 4-1 से सीरीज अपने नाम कर ली थी। उससे पहले 2016 में एमएस धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने 2-1 से यहां टी20 सीरीज अपने नाम की थी। इस दौरे पर भी टीम इंडिया को एक बार हार का सामना करना पड़ा था। उससे पहले 2015 में दो मैचों की टी20 सीरीज अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में भारतीय टीम जीत नहीं पाई थी और 1-1 से सीरीज बराबरी पर रही थी। 2010 में सुरेश रैना की कप्तानी में भारत ने पहली बार जिम्बाब्वे दौरा टी20 सीरीज के लिए किया था और 2-0 से सीरीज अपने नाम की थी।

हशमातुल्लाह शाहिदी ने छोड़ी अफगान टीम की कमान

काबुल। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम ने अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप से पहले नेतृत्व में बदलाव किया है। हशमातुल्लाह शाहिदी ने टीम की वनडे कप्तानी छोड़ने का एलान किया है। वह साल 2022 से 50 ओवर के फॉर्मेट में टीम की कमान संभाल रहे थे। शाहिदी आखिरी बार भारत के खिलाफ कप्तानी करते नजर आए थे। शाहिदी की कप्तानी में अफगानिस्तान ने एशिया कप और वनडे विश्व कप 2023 में हिस्सा लिया। इसके साथ ही चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी उनकी ही अगुआई में टीम टूर्नामेंट में शामिल हुई थी। शाहिदी की कप्तानी में अफगानिस्तान ने 27 मुकाबलों में जीत दर्ज की। शाहिदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर लिखा, आज मैं पूरे सम्मान और अपनी इच्छा से यह घोषणा कर रहा हूं कि मैं अपनी टीम के कप्तान के पद से इस्तीफा दे रहा हूं। कप्तान के तौर पर यह जिम्मेदारी निभाना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात थी। मुझे गर्व है कि मैंने अपनी टीम के साथ ईमानदारी, एकता और लगन से काम किया। अधिकारियों, कोचों व खिलाड़ियों की कोशिशों से हमने कई जीत हासिल कीं। अहम मैच जीते, बड़ी टीमों को हराया और टीम का नाम रोशन किया।

» टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी बोलीं- लोग बीजेपी के अत्याचारों को समझ रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। दिल्ली में सोमवार को हुए विरोध प्रदर्शन का जिक्र करते हुए बनर्जी ने कहा कि छात्रों के खिलाफ़ कथित पुलिस कार्रवाई के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी गाड़ी मोड़ ली। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार ने तानाशाही की सारी हदें पार कर दी हैं। उन्होंने आगे कहा अब समय आ गया है कि भाजपा के ख़िलाफ़ इंडिया अलायंस के बैनर तले एकजुट हुआ जाए। मैं देश की सभी पार्टियों और पूरे देश से, और बंगाल में भी, यही अपील करती हूं। उन्होंने कहा लोग बीजेपी के अत्याचारों को समझ सकते हैं। इसने हिटलर और स्टालिन को भी पीछे छोड़ दिया है।

उन्होंने आगे कहा कि यह लड़ाई लोकतंत्र को बचाने का आंदोलन है। बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी ने टीएमसी के शहीद दिवस कार्यक्रम में बाधा डालने की कोशिश की और दावा किया कि सोमवार रात बंदूकें लिए हुए करीब 600 बाइक सवार शहीद दिवस के मंच को नष्ट करने आए थे। उन्होंने कहा कल रात मैंने, अभिषेक और अन्य नेताओं ने बीजेपी के लगातार हमलों से शहीद दिवस के मंच की सुरक्षा की। लेकिन कई बार पुलिस को सूचित करने के बाद भी हमें कोई मदद नहीं मिली। हम समझ सकते हैं कि इसके पीछे किसका हाथ है। वहीं बनर्जी ने बीजेपी पर जांच और मुकदमों के ज़रिए अपनी पार्टी के नेताओं को निशाना बनाने का आरोप भी लगाया और दावा किया कि टीएमसी नेताओं के खिलाफ 14 हजार से ज़्यादा मामले दर्ज किए गए हैं। जब वे जेल से बाहर आएंगे तो हम उनका स्वागत माला पहनाकर करेंगे।

बीजेपी की राज्य सरकारें हैं डर की सरकार

बीजेपी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए बनर्जी ने कहा बीजेपी राज्य सरकार डर की सरकार है। उन्होंने हमारी पार्टी के कई कार्यकर्ताओं की हत्या की और उन्हें परेशान किया। उन्होंने आगे कहा वे मुझे आज रैली करने से रोकना चाहते थे। लेकिन वे नाकाम रहे। उन्होंने यह भी कहा कि वह जल्द ही पश्चिम बंगाल के जिलों का दौरा करेंगी और उन्हें रोकने की कोशिश करने वालों को चुनौती दी। उन्होंने कहा मैं जल्द ही जिलों का दौरा करूंगी, देखूंगी कि आपके गार्ड मुझे कैसे रोकते हैं।

उद्धव ठाकरे को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका

6 सांसदों के शिंदे गुट में विलय पर फिलहाल रोक से इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शिवसेना यूबीटी के सांसदों के शिवसेना में विलय को मंजूरी देने वाले लोकसभा स्पीकर के आदेश पर फिलहाल रोक से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। शीर्ष अदालत ने स्पीकर ऑफिस और विलय करने वाले 6 सांसदों को नोटिस जारी किया है। अब इस मामले में 2 सप्ताह बाद सुनवाई होगी।

उद्धव गुट के वकील देवदत्त कामत ने दलील दी कि ये सांसद एकतरफा विलय का फैसला नहीं ले सकते थे। हम अंतरिम आदेश की मांग कर रहे हैं। इस पर अदालत ने कहा कि हम नोटिस जारी कर रहे है। कामत ने कहा कि अंतरिम आदेश के लिए अगले सप्ताह सुन लीजिए तो अदालत ने स्पष्ट किया कि दो सप्ताह बाद ही सुनवाई होगी।

मप्र विस सदन में उमंग सिंघार का भाजपा पर प्रहार

» कांग्रेस नेता बोले- यूसीसी पर चर्चा, छात्रों के भविष्य पर क्यों नहीं?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र का आज तीसरा दिन है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पेपर लिक मामले मे चर्चा कराने स्थगन कराने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा की प्रदेश के लाखो छात्र शामिल थे। यह गंभीर मुद्दा है। इस पर चर्चा नहीं होना चाहिए। इस पर मंत्री राकेश सिंह ने कहा की यह सदन नियमों से चलता है। स्थगन का भी नियम है। उमंग सिंघर ने कहा की इसमें प्रदेश के लाखो छात्र शामिल है। इस विषय पर चर्चा नहीं होना चाहिए।

आप कल का समय तय कर दीजिए। मुख्यमंत्री यूसीसी पर चर्चा करना चाहते हैं, लेकिन छात्रों के भविष्य पर बात नहीं करना चाहते। विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि मैंने नेता प्रतिपक्ष आपको सुना, मंत्री राकेश सिंह को भी सुना। इसको लेकर व्यवस्था दूंगा। सदन को थोड़ा चलने दीजिए। तोमर ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का स्थगन प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया। उन्होंने कहा कि यह मामला मध्य प्रदेश शासन से संबंधित नहीं है, इसलिए इस पर सदन में चर्चा नहीं होगी।

छात्रों से डरी दिल्ली पुलिस, पहरा और किया कड़ा

» छात्रों से डरी दिल्ली पुलिस पहरा और किया कड़ा
» कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन आज भी जारी
» देश अन्य शहरों में छात्र सड़क पर उतरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मंगलवार को छात्रों के आंदोलन से असहज हुई दिल्ली पुलिस बुधवार को सुरक्षा और चाकचौबंद कर दी है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर जारी भारी विरोध-प्रदर्शनों के बीच सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व स्तर पर बढ़ा दिया गया है। इस बीच, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शनकारियों का जंतर-मंतर पर धरना बुधवार को भी जारी रहा।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने बुधवार को एहतियातन कदम उठाते हुए राजीव चौक समेत 16 महत्वपूर्ण मेट्रो स्टेशनों को अगले आदेश तक यात्रियों के लिए बंद कर दिया है। हालांकि, यात्रियों की सुविधा के लिए प्रभावित स्टेशनों पर इंटरचेंज की सुविधा चालू रहेगी। यह फैसला सेंट्रल दिल्ली में सुरक्षा कड़ी किए जाने के बीच लिया गया है। अधिकारियों ने चल रहे विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए संसद और अन्य अहम जगहों के आसपास पाबंदियां बढ़ा दी हैं। सोमवार को भी कई मेट्रो स्टेशन बंद किए गए थे, क्योंकि परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी के संसद तक मार्च करने के आह्वान पर हजारों लोग सेंट्रल दिल्ली में जमा हुए थे।

सुबह जंतर-मंतर पर हजारों प्रदर्शनकारी मौजूद

इस बीच, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शनकारियों का जंतर-मंतर पर धरना बुधवार को भी जारी रहा। रात भर प्रदर्शन स्थल पर और समर्थक जमा हुए और स्वयंसेवकों को सहानुभूति रखने वालों की ओर से भोजन और अन्य सामान मिला। प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर यह आंदोलन अब दूसरे महीने में प्रवेश कर गया है। बुधवार सुबह एक्स पर एक पोस्ट में, सीजेपी ने दावा किया कि आज सुबह जंतर-मंतर पर हज़ारों प्रदर्शनकारी मौजूद हैं और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की अपनी मांग दोहराई। पोस्ट में लिखा था, प्रधानमंत्री को भारत के युवाओं से ज़्यादा मंत्री प्रधान (मंत्री प्रधान) से प्यार क्यों है?

मेट्रो स्टेशनों पर सीआरपीएफ तैनात

राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा बढ़ाए जाने के बाद, अहम मेट्रो स्टेशनों और संसद तक जाने वाले रास्तों पर सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) को भी तैनात किया गया है। सीआरपीएफ के जवानों को सेंट्रल दिल्ली के मेट्रो स्टेशनों और संसद परिसर की ओर जाने वाली सड़कों पर तैनात किया गया है ताकि कानून-व्यवस्था बनाए रखने में दिल्ली पुलिस की मदद की जा सके।

बंगाल से सीआरपीएफ की 20 अतिरिक्त कंपनियों को किया एयरलिफ्ट

इससे पहले, गृह मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में तत्काल तैनाती का आदेश दिए जाने के बाद पश्चिम बंगाल से सीआरपीएफ की 20 अतिरिक्त कंपनियों को एयरलिफ्ट करके लाया गया था। यह तैनाती चल रहे विरोध प्रदर्शनों के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी किए जाने के बीच की गई है, और अधिकारी संसद तथा अन्य संवेदनशील जगहों के आसपास आवाजाही पर कड़ी नज़र रख रहे हैं।

पटना में पेपर लीक के विरोध में उग्र प्रदर्शन, छात्रों ने किया पथराव, पुलिस ने छोड़े आंसू गैस के गोले

पटना में पेपर लीक, शिक्षा में भ्रष्टाचार और निजीकरण के विरोध में बुधवार को वाम दल के छात्र संगठन आइसा के बैनर तले हजारों छात्र-युवा और कार्यकर्ताओं ने गांधी मैदान गेट नंबर-10 से राजभवन मार्च निकाला। प्रदर्शनकारी राजभवन की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें जेपी गोलंबर के पास बैरिकेडिंग कर रोक दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जो देखते ही देखते झड़प में बदल गई। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और बिहार के शिक्षा मंत्री मिथलेश तिवारी के इस्तीफे की मांग की। साथ ही पेपर लीक पर सख्त कार्रवाई, शिक्षा में भ्रष्टाचार और निजीकरण पर रोक, जंतर-मंतर छात्र आंदोलन के समर्थन, फीस वृद्धि वापस लेने, नॉन-नेट फेलोशिप लागू करने तथा पटना विश्वविद्यालय की स्वायत्तता बरकरार रखने की मांग उठाई।

सरकार को बात करना है तो वो जंतर-मंतर आएं या फिर कॉमन प्लेस पर : सौरव दास

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास ने सरकार से बातचीत को लेकर कहा कि पहले सरकार ने झूठ बोला था कि सीजेपी बातचीत करना चाह रही है लेकिन अब सरकार ने खुद बोल दिया है कि सरकार बातचीत के लिए तैयार है। सीजेपी किसी भी नेता के दफ्तर या घर पर मीटिंग नहीं करेगी, या तो नेता जंतर-मंतर आएं या फिर किसी कॉमन प्लेस पर मीटिंग हो सकती है, जैसे कि कांस्टीट्यूशन क्लब आज सुबह भी दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने हमसे कहा कि सरकार बातचीत करना चाहती है लेकिन हम उनसे बातचीत करने के लिए उनके घर नहीं जाएंगे। केंद्र सरकार और कॉकरोच जनता पार्टी के बीच सोमवार को पहली बार बातचीत हुई थी, जब केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने उनके डेलीगेशन से बातचीत की और आश्वासन दिया कि सरकार का नेतृत्व उनकी मांगों पर आंतरिक चर्चा करेगा।

प्रदर्शनकारियों की याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने किया इंकार

» शीर्ष अदालत बोली- हमारा वक्त खराब न करें
» सीजेआई ने कहा, हमें वीडियो में कोई दिलचस्पी नहीं है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने बुधवार को जंतर-मंतर पर सीजेपी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया दी और याचिकाकर्ता से अपना समय बर्बाद न करने को कहा। विरोध प्रदर्शन के दौरान छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा कि हमारा समय बर्बाद न करें।

जब वकील ने बताया कि पुलिस की ज्यादती दिखाने वाले वीडियो मौजूद हैं, तो सीजेआई ने कहा, हमें वीडियो में कोई दिलचस्पी नहीं है। हमारे पास वीडियो देखने का समय नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन के दौरान छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई को चुनौती देने वाली याचिका पर तुरंत सुनवाई करने से भी इनकार कर दिया। वकील ने कहा कि छात्र नीट परीक्षा के सही तरीके से आयोजन और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी में सुधार जैसे अहम मुद्दे उठा रहे हैं। वकील की बात का जवाब देते हुए सीजेआई ने कहा कि आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को इसी तरह के एक मामले पर तुरंत सुनवाई करने से इनकार करते हुए कहा, कोर्ट को इसमें न घसीटें। कोर्ट बुधवार को उस पीआईएल पर सुनवाई करेगा जिसमें जंतर-मंतर पर क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल के दौरान पुलिस की कार्रवाई की स्वतंत्र जांच और शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन के नागरिकों के संवैधानिक अधिकार की सुरक्षा के लिए निर्देश देने की मांग की गई है।

दिल्ली हाईकोर्ट में भी याचिका

दिल्ली हाई कोर्ट में दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शनकारियों के ख़िलाफ़ पुलिस की कार्रवाई ज़रूरत से ज़्यादा थी और इसमें न्यायिक दखल की मांग की गई है। उम्मीद है कि आज को जब इस मामले की सुनवाई होगी, तो पीआईएल में लगाए गए आरोपों और मांगी गई राहतों पर विचार किया जाएगा। यह घटनाक्रम जंतर-मंतर पर हो रहे प्रदर्शनों से जुड़े चल रहे कानूनी मामलों के बीच सामने आया है। सीपीआईएम नेता आइशी घोष की ओर से दायर एक अलग जनहित याचिका में दिल्ली हाई कोर्ट उन आरोपों की जांच कर रहा है कि दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन स्थल पर वीडियोग्राफी के ज़रिए प्रदर्शनकारियों की निगरानी की थी। उस मामले की सुनवाई के दौरान, केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि जंतर-मंतर पर वीडियोग्राफी सिर्फ़ कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए की गई थी, न कि प्रदर्शनकारियों की निगरानी के लिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले शरद पवार और सुप्रिया सुले

» पवार ने केंद्र से छात्रों की मांग पर उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एनसीपी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस बैठक के दौरान एनसीपी (एसपी) नेता और बारामती की सांसद सुप्रिया सुले भी मौजूद थीं। मंगलवार को पवार और सुले, दोनों ने जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया, जहाँ पेपर लीक के खिलाफ अपना प्रदर्शन जारी रखे हुए है। पार्टी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग का समर्थन किया है।

पवार ने केंद्र से मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार करने और उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक के अधिकारों और हकों की रक्षा की है, और सरकार एवं प्रशासन जनता के प्रति जवाबदेह हैं। इसलिए, शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों और नागरिकों को दबाने के बजाय, सरकार को उनकी मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए और उन्हें ध्यान में रखते हुए उचित कार्रवाई करनी चाहिए। पिछले सप्ताह, एनसीपी (एससीपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने एनडीए में शामिल होने या एनसीपी में विलय की अटकलों का खंडन करते हुए कहा कि किसी भी अन्य पार्टी से उनके साथ गठबंधन का कोई प्रस्ताव नहीं आया है। मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पवार साहब, मैं, जयंत पाटिल, अनिल देशमुख और राजेश टोपे या किसी भी वरिष्ठ नेता को किसी भी पार्टी से कोई प्रस्ताव नहीं मिला है न ही भाजपा, कांग्रेस या एनडीए के किसी सहयोगी ने हमें कोई प्रस्ताव दिया है।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा